नईदुनिया



धनतेरस के पहले सर्राफा बाजार में चमका सोना, चांदी के भाव में कोई बदलाव नहीं

नई दिल्ली

घरेलू सर्राफा बाजार में शुरुआती कारोबार के दौरान सोने की कीमत में तेजी का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। भाव में उछाल आने के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में सोना 250 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 270 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया है। माना जा रहा है कि सोने के भाव में धनतेरस और दिवाली की वजह से तेजी का ये माहौल बना है। दूसरी ओर चांदी के भाव में लगातार दूसरे दिन कोई बदलाव नहीं हुआ है। शुरुआती कारोबार में भी ये चमकीली धातु सोमवार के भाव पर ही बिक रही है।

भाव में बदलाव आने के कारण देश के अलग-अलग सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,39,650 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,39,800 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना 1,28,010 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,28,160 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। दूसरी ओर, चांदी के भाव में कोई बदलाव नहीं होने के कारण यह चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में भी 1,99,900 रुपये प्रति किलोग्राम के पुराने स्तर पर ही बिक रही है।

दिल्ली में 24 कैरेट सोना 1,39,800 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,28,160 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,39,650 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,28,010 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,39,700 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,28,060 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है।

इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 1,39,650 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,28,010 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,39,650 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,28,010 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,39,700 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,28,060 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

जयपुर में 24 कैरेट सोना 1,39,800 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,28,160 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,39,700 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,28,060 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

चंडीगढ़ में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,39,800 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,28,160 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,39,800 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,28,160 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी सोना मजबूती के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है।

न्यूज ब्रीफ

इनफिनिक्स ने भारत में लॉन्च किया जीटी 50 प्रो, कीमत 64,999 रुपये से शुरू



भोपाल। इनफिनिक्स इंडिया ने अपना नया गेमिंग स्मार्टफोन जीटी 50 प्रो भारतीय बाजार में लॉन्च किया है। इसकी शुरुआती कीमत बैंक ऑफर्स सहित 64,999 रुपये है। फोन में मीडियाटेक डाइमेंसिटी 8400 अल्टीमेट प्रोसेसर, 144 हर्ट्ज रिफ्रेश रेट वाला 6.78 इंच का 1.5के एमोलेड डिस्प्ले और 6500 एमएएच की बैटरी दी गई है। इसकी प्रमुख विशेषता हाइड्रोफ्लो लिक्विड कूलिंग तकनीक है, जो लंबे गेमिंग सत्र के दौरान तापमान नियंत्रित रखने में मदद करती है।

स्मार्टफोन 45 वॉट वायर्ड और 30 वॉट वायरलेस चार्जिंग सपोर्ट करता है। कंपनी शुरुआती खरीदारों को जीटी एनएक्स कंट्रोलर, जीटी एनएक्स स्टेशन और जीटी मैगचार्ज कूलर 2.0 सहित गेमिंग एक्सेसरीज दे रही है। यह फोन रेड ब्लेज और ब्लैक एबिस रंगों में फ्लिपकार्ट, खुदरा दुकानों और कंपनी की आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध होगा।

घर बैठे मनाएं, जेप्टो और ब्लिंकिट पर मिलेगा सारा सामान



नई दिल्ली। आस्था और लोकपर्व छठ पूजा की तैयारियां शुरू हो चुकी हैं, जो 15 नवंबर को मनाई जाएगी। इस दौरान बाजारों में लगने वाली भारी भीड़ और खरीदारी की जद्दोजहद से बचने के लिए, जेप्टो और ब्लिंकिट जैसे आनलाइन क्विक कामर्स प्लेटफार्म श्रद्धालुओं के लिए एक बड़ी राहत लेकर आए हैं। अब आप घर बैठे ही छठ पूजा से जुड़ा लगभग सभी आवश्यक सामान आसानी से मंगवा सकते हैं। इन प्लेटफार्म्स पर कपूर, देसी घी के दीये, रुई की बाती, अगरबत्ती, धूप, रोली, मौली और चावल जैसी पारंपरिक पूजा सामग्री आसानी से मिल रही है। इसके साथ ही, पूजा की थाली, लाल-पीले वस्त्र और ठेकुआ बनाने के लिए आवश्यक सामग्री भी उपलब्ध है। व्रतियों के लिए विभिन्न प्रकार के ताजे फल जैसे केला, सेब, अमरूद और अनार भी घर बैठे मंगाए जा सकते हैं। इन क्विक कामर्स सेवाओं का सबसे बड़ा लाभ यह है कि आपका सामान अक्सर मिनटों के भीतर ही घर तक पहुंच जाता है, जिससे समय की बचत होती है और बाजार जाने की परेशानी खत्म हो जाती है। आनलाइन खरीदारी के इच्छुक लोग जेप्टो और ब्लिंकिट ऐप में पूजा, नीड्स, फेस्टिव या स्पेशल जैसे सेक्शन में जाकर अपनी आवश्यकतानुसार सामान ढूंढ सकते हैं।

एक्सिस एमएफ फ्रंट रनिंगः सेबी ने 4 इकाइयों पर 40 लाख का जुर्माना लगाया



नई दिल्ली। पूंजी बाजार नियामक सेबी ने एक्सिस म्यूचुअल फंड के कारोबार में कथित फ्रंट-रनिंग को बढ़ावा देने के मामले में दो शेयर ब्रोकिंग फर्मों और उनके दो निदेशकों समेत चार इकाइयों पर कुल 40 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। वुडस्टाक ब्रोकिंग और उसके डायरेक्टर सुरेश कनमल जाजू, साथ ही मारफतिया स्टाक ब्रोकिंग और उसके डायरेक्टर निशिल सुरेंद्र मारफतिया पर 10-10 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है। यह कार्रवाई सेबी की 1 अप्रैल 2021 से 31 मार्च 2022 तक की जांच के बाद की गई। जांच में पाया गया कि इन ब्रोकरों ने दुबई में बैठे प्रिजेश कुरानी नामक एक अनधिकृत व्यक्ति को अपने ओडिन ट्रेडिंग टर्मिनल इंस्टाल और संचालित करने में मदद की। कुरानी ने एक्सिस म्यूचुअल फंड के बड़े सौदों से पहले अपने सौदे कर फ्रंट रनिंग को अंजाम दिया। सेबी ने वुडस्टाक ब्रोकिंग के खिलाफ व्हाट्सएप चैट, आईपी एड्रेस और मैक आईडी जैसे तकनीकी साक्ष्यों के साथ-साथ एनीडेस्क के माध्यम से रिमोट एक्सेस को आधार बनाया। वहीं, मारफतिया स्टाक ब्रोकिंग के मामले में उसके मैनेजिंग डायरेक्टर के बयान और आईटी कर्मचारियों के साथ हुई व्हाट्सएप बातचीत को सबूत के तौर पर इस्तेमाल किया गया।

ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत एशिया में बिकवाली का दबाव

नई दिल्ली

ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान बढ़त के साथ बंद हुए थे। वहीं डाउ जोन्स फ्यूचर्स सुबह गिरावट के साथ लाल निशान में कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार में पिछले सत्र के दौरान कमजोरी का माहौल बना रहा, जहां प्रमुख सूचकांकों में गिरावट दर्ज की गई थी। वहीं एशियाई बाजार से कमजोरी के संकेत मिल रहे हैं, हालांकि भारतीय बाजार के लिए शुरुआती संकेत बेहतर नजर आ रहे हैं।



अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र में मजबूती का रुख देखने को मिला। एसएंडपी 500 इंडेक्स 27.85 अंक यानी 0.37 प्रतिशत की बढ़त के साथ 7,569.25 अंक के स्तर पर बंद हुआ। वहीं टेक कंपनियों से जुड़े नैस्डैक कंपोजिट ने भी 207.69 अंक यानी 0.83 प्रतिशत की मजबूती के साथ 25,372.01 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके विपरीत, सुबह डाउ जोन्स फ्यूचर्स फिलहाल दबाव में नजर आ रहा है। यह सूचकांक 405.65 अंक यानी 0.78 प्रतिशत टूट कर 51,381.07 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है।

अमेरिकी बाजार के विपरीत यूरोपीय बाजार में पिछले सत्र के दौरान बिकवाल हावी रहे। ब्रिटेन का एफटीएसई इंडेक्स 122.90 अंक यानी 1.16 प्रतिशत की बड़ी गिरावट दर्ज करते हुए 10,638.43 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह जर्मनी के डीएएक्स इंडेक्स ने 116.47 अंक यानी 0.45 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 25,864.62 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। वहीं फ्रांस का सीएसी इंडेक्स 27.38 अंक यानी 0.34 प्रतिशत की सुस्ती के साथ 8,020.31 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

ग्लोबल मार्केट के इन संकेतों के बीच एशियाई बाजार में सुबह भारी बिकवाली का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। एशिया के नौ प्रमुख बाजार में से सिर्फ एक सूचकांक बढ़त के साथ हरे निशान में कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है, जबकि आठ सूचकांक बिकवाली के भारी दबाव में लाल निशान में बने हुए हैं। राहत की बात यह है कि भारतीय बाजार के लिए शुरुआती संकेत देने वाले गिफ्ट निफ्टी में सुबह तेज उछाल का रुख बना हुआ है, जो घरेलू बाजार के लिए बेहतरीन संकेत हैं। फिलहाल यह सूचकांक 204.50 अंक यानी 0.86 प्रतिशत की जोरदार मजबूती के साथ 23,964.50 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है।

दूसरी ओर, जापान का निक्केई 225 इंडेक्स भारी कमजोरी के साथ लाल निशान में पहुंचा हुआ है। फिलहाल यह सूचकांक 2,701.86 अंक यानी 4.28 प्रतिशत की भारी गिरावट के साथ 60,380 अंक के स्तर पर बना हुआ है। दक्षिण कोरिया के कोस्पी इंडेक्स में भी बड़ी मंदी का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। चौतरफा बिकवाली के दबाव से फिलहाल यह सूचकांक 192.80 अंक यानी 3.41 प्रतिशत की बड़ी गिरावट के साथ 5,455.99 अंक के स्तर पर आ गया है।

इसी तरह ताइवान स्टाक एक्सचेंज में भी जबरदस्त कमजोरी का माहौल बना हुआ है। लगातार हो रही मुनाफावसूली के कारण ताइवान वेटेड इंडेक्स 1,226.70 अंक यानी 2.83 प्रतिशत फिसल कर 42,080.84 अंक के स्तर पर आ गया है। थाईलैंड के सेट कंपोजिट इंडेक्स में भी सुस्ती नजर आ रही है। यह सूचकांक फिलहाल 13.31 अंक यानी 0.89 प्रतिशत की गिरावट के साथ 1,477.70 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इंडोनेशिया स्टाक एक्सचेंज में भी बिकवाल हावी नजर आ रहे हैं, जिसके कारण जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 26.47 अंक यानी 0.54 प्रतिशत की मंदी के साथ 4,877.82 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। हान्काक्न के शेयर बाजार में भी मामूली गिरावट का रुख बना हुआ है, जहां हैंगसेंग इंडेक्स फिलहाल 32.97 अंक यानी 0.14 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 23,493 अंक के स्तर पर आ गया है। इसी तरह चीन का शंघाई कंपोजिट इंडेक्स भी लाल निशान में फिसल गया है। फिलहाल यह सूचकांक 3.73 अंक यानी 0.10 प्रतिशत की मामूली कमजोरी के साथ 3,604.37 अंक के स्तर पर बना हुआ है। इसके अलावा सिंगापुर का स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स भी दबाव में काम करता नजर आ रहा है। फिलहाल यह सूचकांक 3.90 अंक यानी 0.07 प्रतिशत की गिरावट के साथ 5,200.07 अंक के स्तर पर बना हुआ है।

आरबीआई ने सेवा निर्यात-आयात के नियमों में ढील दी, फ्रीलांसरों को राहत



नई दिल्ली

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने सर्विस एक्सपोर्ट और इंपोर्ट से जुड़े विदेशी मुद्रा नियमों में महत्वपूर्ण ढील दी है, जिससे विदेशी क्लाइंट्स से कमाई करने वाले फ्रीलांसरों, कंपनियों और आयातकों को बड़ी राहत मिली है। इन बदलावों का उद्देश्य छोटे ट्रांजेक्शन और सेवा भुगतानों की प्रक्रिया को सरल बनाना है, जिससे कागजी कार्रवाई और लगने वाले समय में कमी आएगी।

नए नियमों के तहत भारत में रहने वाले किसी व्यक्ति को अब विदेश में सेवा देने के बदले भुगतान मिलने पर अलग से एक्सपोर्ट डिक्लेरेशन फार्म (ईडीएफ) जमा करने की आवश्यकता नहीं होगी। उन्हें केवल अपने बैंक को भुगतान खाते में जमा करने के लिए आवश्यक जानकारी देनी होगी।

यह कदम विशेष रूप से डिजिटल सेवाओं और फ्रीलांसिंग के बढ़ते क्षेत्र को बढ़ावा देगा, जहां अक्सर छोटे भुगतान विदेशी मुद्रा में प्राप्त होते हैं। जो निर्यातक भारत में रहने वाले व्यक्ति नहीं हैं, उन्हें भी इस सुविधा का लाभ मिलेगा। ऐसे निर्यातकों के लिए विदेश से आने वाली सर्विस पेमेंट 10 लाख रुपये तक होने पर सिर्फ बैंक को जरूरी जानकारी देनी होगी; इससे अधिक राशि पर पहले के डिक्लेरेशन की शर्तें ही लागू होंगी। आरबीआई ने सर्विस इंपोर्ट के मामले में भी रिपोर्टिंग के नियमों में बदलाव किया है। अब बैंकों को इम्पोर्ट डाटा प्रोसेसिंग एंड मानिटरिंग सिस्टम (आईडीपीएमएस) में सर्विस इंपोर्ट की जानकारी तभी दर्ज करनी होगी, जब सेवा खरीदने वाला भारत का निवासी न हो और इनवायस 10 लाख रुपये से अधिक हो। इन बदलावों से विदेशी व्यापार से जुड़े लेन-देन की प्रक्रिया में लगने वाले समय और कागजी कार्रवाई में कमी आएगी, जिससे भारत में ईज आफ डूइंग बिजनेस को बढ़ावा मिलेगा।

छोटे ट्रांजेक्शन और डिजिटल सेवाओं के लिए ईडीएफ की बाध्यता खत्म

यूपी सरकार दिवाली पर उज्ज्वला लाभार्थियों को बांटेगी निःशुल्क गैस सिलेंडर



लखनऊ। दीपावली के पावन अवसर पर उत्तर प्रदेश सरकार ने प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के लाभार्थियों को एक बड़ी सौगात दी है। राज्य में निःशुल्क गैस सिलेंडर वितरण प्रक्रिया का शुभारंभ हो गया है, जिससे गरीब और जरूरतमंद परिवारों को स्वच्छ ईंधन का सीधा लाभ मिलेगा। यह पहल लाखों परिवारों के लिए त्योहार को और भी रोशन करेगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हाल ही में लखनऊ के लोकभवन से इस योजना का शुभारंभ किया। इसके तहत, उज्ज्वला योजना के प्रत्येक लाभार्थी के खाते में कुल 971 रुपये (राज्य सरकार से 653 रुपये और केंद्र सरकार से 318 रुपये) की सब्सिडी सीधे हस्तांतरित की जा रही है। यह सुविधा लाभार्थियों को साल में दो बार प्रदान की जाएगी, जिससे उन्हें ईंधन के खर्च से राहत मिलेगी और स्वच्छ ऊर्जा के उपयोग को बढ़ावा मिलेगा। इस योजना के तहत, जनपद एटा में भी जिलाधिकारी एम अरुन्मोली की अध्यक्षता में एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। उन्होंने लाभार्थी महिलाओं को प्रतीकात्मक चेक वितरित करते हुए केंद्र व राज्य सरकार की इस पहल की सराहना की, जो स्वच्छ ईंधन सुनिश्चित करने की दिशा में मील का पत्थर है।

शेयर बाजार में उतरेगी रेजर-पे, सेबी से आईपीओ लाने के लिए मिली हरी झंडी

नई दिल्ली

देश की जानी-मानी फिनटेक स्टार्टअप रेजर-पे जल्द ही प्राइमरी शेयर बाजार में दस्तक देने जा रही है। कंपनी को अपना पहला पब्लिक इश्यू (आईपीओ) लाने के लिए मार्केट रेगुलेटर सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज बोर्ड आफ इंडिया (सेबी) से हरी झंडी मिल चुकी है। सूत्रों के अनुसार, कंपनी इस पब्लिक इश्यू के जरिये 5,500 करोड़ रुपये से लेकर 6,500 करोड़ रुपये तक की पूंजी जुटाने की तैयारी में है।

रेजर-पे ने अपने पब्लिक इश्यू के लिए जून 2026 में कान्फिडेंशियल प्री-फाइलिंग रूट के तहत गोपनीय तरीके से सेबी के पास अपने दस्तावेज जमा कराए थे। कान्फिडेंशियल प्री-फाइलिंग रूट के तहत कंपनियां अपनी बेहद संवेदनशील वित्तीय जानकारियों को सार्वजनिक किए बिना ही आईपीओ की शुरुआती प्रक्रिया को आगे बढ़ा सकती हैं।

इस आईपीओ के जरिये कंपनी का लक्ष्य करीब 500 करोड़ डालर यानी लगभग 49,000 से 50,000 करोड़ रुपये का वैल्यूएशन हासिल करना है। हालांकि, यह आंकड़ा कंपनी के पिछले मूल्यांकन से थोड़ा कम नजर आ रहा है। इसके पहले साल 2021 के एक फंडिंग राउंड के दौरान रेजर-पे को करीब 750 करोड़ डालर का वैल्यूएशन मिला था। आपको बता दें कि



आईआईटी रुड़की से पढ़ाई करने वाले हर्षिल माथुर और शशांक कुमार द्वारा साल 2014 में शुरू की गई यह कंपनी व्यापारियों को डिजिटल बैंकिंग, पेमेंट गेट-वे और पेमेंट प्रोसेसिंग जैसी महत्वपूर्ण सेवाएं देती है।

रेजर-पे में टाइगर ग्लोबल, पीक एक्सवी पार्टनर्स और जीआईसी जैसे बड़े ग्लोबल इन्वेस्टर्स ने पैसा लगाया हुआ है। बाजार में इस कंपनी का मुकाबला पेटीएम, पे-यू, पाइन लैब्स, कैशफ्री पेमेंट्स और फोन-पे जैसी दिग्गज कंपनियों से है। इन प्रतिद्वंद्वी कंपनियों में से पाइन लैब्स और पेटीएम पहले से ही घरेलू शेयर बाजार की लिस्टेड कंपनियां हैं। वहीं फोन-पे के भी 2026-27 के अंत तक लिस्ट होने की उम्मीद है।

यदि कंपनी की हालिया वित्तीय स्थिति पर नजर डालें, तो वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान इसका कुल राजस्व सालाना आधार पर 65 प्रतिशत की शानदार बढ़त के साथ 3,783 करोड़ रुपये पर पहुंच गया था। इस अवधि में कंपनी का ग्रास प्राफिट भी बढ़कर 1,277 करोड़ रुपये रहा। हालांकि, इसी वित्त वर्ष में कंपनी को 1,209 करोड़ रुपये का शुद्ध घाटा भी उठाना पड़ा है।

भारत में 2027 से विमान ईंधन में एसएएफ का उपयोग अनिवार्य होगा

नई दिल्ली

भारत सरकार हवाई यात्रा को पर्यावरणीय रूप से अधिक टिकाऊ बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम उठा रही है। केंद्र सरकार ने ड्राफ्ट एसएएफ पालिसी, 2026 के तहत विमानों के ईंधन एटीएफ(एविएशन टर्बाइन फ्यूल) में एसएएफ (सस्टेनेबल एविएशन फ्यूल) का मिश्रण अनिवार्य करने का प्रस्ताव रखा है।

इस नई नीति के लागू होने पर, जनवरी 2027 से अंतरराष्ट्रीय उड़ानों में कम से कम एक फीसदी का उपयोग करना होगा, जिसका मुख्य उद्देश्य हवाई यात्रा से होने वाले ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को कम करना है।

नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने जारी की ड्राफ्ट एसएएफ पालिसी, 2026

नागरिक उड्डयन मंत्रालय द्वारा प्रस्तावित यह नीति अंतर्राष्ट्रीय उड़ानों के लिए जनवरी 2027 से एक फीसदी एसएएफ के उपयोग को अनिवार्य करेगी और 2040 तक इस लक्ष्य को 20 फीसदी तक बढ़ाने का स्पष्ट रोडमैप प्रदान करती है। एसएएफ पारंपरिक विमान ईंधन का एक पर्यावरण-अनुकूल विकल्प है, जिसे फसल, जैविक कचरे और अन्य टिकाऊ स्रोतों से तैयार किया जाता है, जिसका प्राथमिक उद्देश्य हवाई यात्रा के कार्बन पदचिह्न को कम करना है। यह सुनिश्चित किया जाता है कि एसएएफ गुणवत्ता



और सुरक्षा मानकों पर खरा उतरे। ड्राफ्ट नीति में केवल एसएएफ मिश्रण के लक्ष्य ही नहीं, बल्कि इनके सख्त अनुपालन पर भी जोर दिया गया है। निर्धारित ब्लेंडिंग जरूरत को पूरा न करने वाली एयरलाइंस और तेल मार्केटिंग कंपनियों पर जुर्माना लगाया जा सकता है। इसके अतिरिक्त, नीति में यह भी प्रस्तावित है कि घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय एयरलाइंस अपनी वार्षिक एटीएफ जरूरतों का कम से कम 90 फीसदी भारत के अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डों से पूरा करेंगी, जिसका लक्ष्य इकोनामिक टैंकरिंग को रोकना है। हवाई अड्डों को एसएएफ के भंडारण, रखरखाव और वितरण की व्यवस्था सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी भी दी गई है। विशेषज्ञों का मानना है कि एसएएफ के उपयोग से एयरलाइंस की ईंधन लागत पर असर पड़ सकता है, खासकर यदि एसएएफ पारंपरिक एटीएफ से महंगा होता है, तो हवाई टिकटों की कीमतों में वृद्धि संभव है। हालांकि, फिलहाल हवाई टिकटों के महंगा होने की कोई तत्काल संभावना नहीं जताई गई है।

यह कदम भारत को वैश्विक स्तर पर पर्यावरण अनुकूल हवाई यात्रा को बढ़ावा देने वाले देशों की श्रेणी में खड़ा करेगा।